

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहकाय की तारीख
-------------	------------------------------------	----------------------------

5/12/19 वकुलाग्र उपस्थित। समस्त अग्रजों के द्वारा
आदेश नही सुनाया गया। पत्रावली वापस आदेश
दिनांक 12.12.19 को पेश है।
Sook

12/12/19 वकुलाग्र उपस्थित। अग. प्रो. पत्र 2122111 अग्रजों
निषेधाज्ञा की अ. डिमा जाद. अग्रजों के
अ. पाबन्द डिमा जाता है। बि. वे. दावे के अतिरिक्त
निस्तारण तक आदेशी खण्ड 1484, 1485, 1596,
1078, 1556, 1599 1076, 1079, 1599/1999,
1460/1856, 1077 काटे जाते कुटुम्ब तहसील
कुटुम्ब के रिजिस्ट्री की भयास्थिति बनाये रखे।
पत्रावली नैसल सुम्ब घेडा नम्बर से
काम घे काट तहसील मूल काट के साथ
लम्बन घे सुनाया।
Sook

1.

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कठूमर (अलवर)
पीठासीन अधिकारी श्री अनिलकुमार सिंघल आर ए एस
राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या 2/188/2019

वउनवान

1. प्रदीप उम्र 17 साल पुत्र श्री लक्ष्मण पोत्र फूलसिंह जाति जाट नाबालिग जरिये सपरस्त माता मुकेशदेवी पत्नी लक्ष्मणसिंह जाति जाट निवासी कठूमर तहसील कठूमर माता खुद ।

----- सायल

बनाम

1. फूलसिंह पुत्र भीमसिंह जाति जाट निवासी कठूमर तहसील कठूमर
2. उप पंजीयक कठूमर तहसील कठूमर ।

----- गैरसायलान

दर0 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

उपस्थित :-

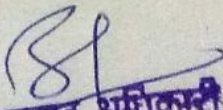
श्री औमवीरसिंह चौधरी एडवोकेट : वकील सायल

श्री गिरधारीलाल तर्मा एडवोकेट : वकील गैरसायल सं0 1

आदेश

दिनांक 12.12.19

सायल द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि आराजी खसरा 1484, 1485, 1596, 1078, 1556, 1599, 1076, 1079, 1599/1999 1460/1856, 1077 वाके ग्राम कठूमर तहसील कठूमर में स्थित है। उपरोक्त विवादित आराजी सायल के दादा फूलसिंह की पैदा कर्दा आराजी है जिसमें सायल को जन्म से ही हक वो अधिकार प्राप्त है। गैरसायल संख्या 1 सायल का दादा व तरतीवी प्रतिवादी संख्या 9 सायल का पिता है यानि सायल एवं गैरसायल संख्या 1 दादा पोते है। कानूनन दादा की पैदा कर्दा आराजी में उसके पोत्र पोत्रियों को जन्म


उपखण्ड अधिकारी
कठूमर (अलवर)

से ही यानि बाई बर्थ अधिकार पैदा हो जाते है। विवादित आराजी में सायल अपने हिस्सा के अनुसार काविज रहकर काश्त करता चला आ रहा है। विवादित आराजी गैरसायल संख्या 1 की खातेदारी में दर्ज रहने से सायल के हक हकूकों पर विपरीत असर पड रहा है। सायल ने विवादित आराजी में अपने हिस्सा की आराजी को अपने नाम कराने वावत कहा तो गैरसायल ने साफ इन्कार कर दिया। हाल राजस्व रेकार्ड के आधार पर गैरसायल सायल के हिस्से के कब्जे काश्त में बाधा पैदा करता है तथा विना घरू आवश्यकता के गैरसायल संख्या 2 से मिलकर विवादित आराजी को दीगर लोगों को रहन वय करना चाहता है। गैरसायल मना करने से नहीं मान रहा है। जबकि गैरसायलान को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। यदि गैरसायलान अपने नापाक ईरादों में कामयाव हो गये तो सायल को अपार हानि क्षति व असुविधा होगी जिसकी पूर्ति पैसों में संभव नहीं है। प्रथम दृष्टा केस सुविधा का सन्तुलन एंव ना-पूर्ति होने वाली क्षति सायल के पक्ष में सावित है। अतः सायल ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर गैरसायलान को ता फैसला दावा अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द कराने की प्रार्थना की है।

प्रार्थना पत्र सायल दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलव किया गया। गैरसायल सं० 1 ने हाजिर अदालत होकर अपना जवाब पेश कर कथन किया कि सायल ने भीमसिंह का सजरा गलत पेश किया है। फूलसिंह के दो पुत्र बाबूलाल व लक्ष्मण ही नहीं बल्कि दो पुत्री शिवदेई व बन्नी और हैं जिन्हें सायल ने मुकदमा में पक्षकार नहीं बनाया है। विवादित आराजी पैत्रिक आराजी न होकर गैरसायल सं० 1 की स्वअर्जित आराजी है। गैरसायल ही विवादित आराजी पर काविज रहकर काश्त कर रहा है। सायल का विवादित आराजी में कोई हक हिस्सा व अधिकार नहीं है। विवादित आराजी गैरसायल संख्या 1 को उसके पिता भीमसिंह से विरासत में प्राप्त नहीं हुई है। गैरसायल सं० 1 विवादित आराजी का खातेदार काश्तकार है जिसे विवादित आराजी को रहन वय करने का पूरा पूरा हक व अधिकार है। सायल नाकाविज है जिसे

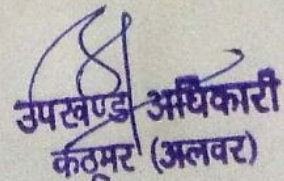
उपस्थंड अधिकारी
कठूमर (अलवर)

विवादित आराजी पर दावा लाने का अधिकार नहीं है। दादा के जीवनकाल में उसके पोत्र पोत्रियों को कोई हक हिस्सा व अधिकार नहीं बनता है। विवादित आराजी के अलावा गैरसायल के पास और कोई आमदनी का जरिया नहीं है। गैरसायल परिवार से अलग रहता है। सायल को किसी तरह का नुकसान व क्षति नहीं होती है। सायल ने महज हम गैरसायल को तंग व परेशान करने की नियत से मौजूदा प्रार्थना पत्र पेश किया है जो खारिज किया जावे। सायल ने अपने प्रार्थना पत्र के साथ जमाबन्दी संवत 2074 से 2077 वाके ग्राम कठूमर की छाया प्रति पेश की है। जो शामिल पत्रावली है।

वहस सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन किया।

विद्वान अधिवक्ता सायल ने अपनी वहस के दौरान मुख्य रूप से अपने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराया और कथन किया आराजी विवादित आराजी पैत्रिक आराजी है जिसमें सायल को जन्म से ही अधिकार प्राप्त है। विवादित आराजी गैरसायल संख्या 1 को विरासत में प्राप्त हुई है गैरसायल संख्या 1 सायल का दादा है। दादा की पैदा कर्दा आराजी में सायल का हक हिस्सा व अधिकार बनता है। सायल विवादित आराजी पर अपने हिस्से पर काविज रहकर काशत करता चला आ रहा है। हाल राजस्व रेकार्ड में विवादित आराजी गैरसायल संख्या 1 की खातेदारी में दर्ज रहने से सायल के अधिकारों पर विपरीत असर पड रहा है। हाल राजस्व रेकार्ड के आधार पर गैरसायल सं० 1 विवादित आराजी को दीगर लोगों को रहन वय करना चाहता है। पूर्व में गैरसायल संख्या 1 अपनी खातेदारी की आराजी का पुत्र बधू प्रेम पत्नी बाबूलाल के नाम रजिस्ट्री करा चुका है। अतः गैरसायलान को दावा के निर्णय तक स्थगन आदेश से पाबन्द किया जावे।

विद्वान अधिवक्ता गैरसायल ने अपनी वहस के दौरान अधिवक्ता सायल के तथ्यों का विरोध करते हुंये कहा कि विवादित आराजी गैरसायल सं० 1 की स्वअर्जित है। दादा के जीवनकाल में पोतों का अधिकार नहीं होता है। गैरसायल विवादित आराजी का खातेदार काशतकार है जिसे विवादित आराजी को रहन वय


उपखण्ड अधिकारी
कठूमर (अलवर)

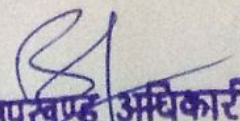
करने का पूरा पूरा हक व अधिकार है। महज गैरसायल को तंग व परेशान करने की नियत से प्रार्थना पत्र पेश किया है जो खारिज किया जावे। पत्रावली का अवलोकन किया। सायल को प्रार्थना पत्र में सफलता प्राप्त करने के लिये निम्न तीन विन्दुओं को अपने पक्ष में सावित कराना है :-

1. प्रथम दृष्टा केस
2. सुविधा का सन्तुलन
3. ना-पूर्ति होने वाली क्षति

उक्त विन्दुओं पर हमारा विवेचन निम्न प्रकार से है।

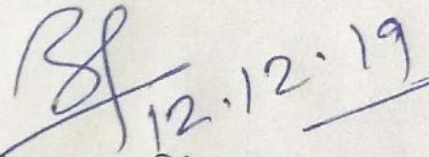
पत्रावली के तथ्यों पत्रावली में संलग्न जवाब दर० राजस्व रेकार्ड का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता पक्षकारान की वहस पर मनन किया। यह निर्विवाद है कि सायल गैरसायल का पोत्र है तथा आपस में दादा पोते है। सायल एवं गैरसायल सं० 1 एक ही संयुक्त हिन्दु परिवार के सदस्य है। सायल द्वारा प्रस्तुत छाया प्रति जमाबन्दी में विवादित आराजी गैरसायल सं० 1 की खातेदारी में दर्ज हैं। विवाद दादा की जमीन पर है। विवादित आराजी पैत्रिक है या स्वअर्जित। विवादित आराजी में सायल का हक हिस्सा बनता है या नहीं यह तथ्य तो मूल वाद में मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य आने पर ही तय किया जायेगा। विवाद पारिवारिक कृषि भूमि से सम्बन्धित है। सायल का कथन कि गैरसायल सं० 1 विवादित आराजी को रहन वय ना करे। मौके की लड़ाई का कोई विवाद नहीं है। पत्रावली के तथ्यों प्रस्तुत राजस्व रेकार्ड के अवलोकन व अधिवक्तागण पक्षकारान की वहस पर मनन करने पर हम इस नि क र्ा पर पहुँचे है कि यदि गैरसायल संख्या 1 ने हाल राजस्व रेकार्ड के आधार पर दावा के विचाराधीन रहते हुये विवादित आराजी को दीगर लोगों को रहन वय कर दिया तो अपार हानि व नुकशान सायल को होना संभव है। गैरसायलान को

पाबन्द किये जाने से उन्हें किसी तरह का नुकशान क्षति या असुविधा होती हो इस तरह की स्थिति अदालत के समक्ष नहीं है। प्रथम दृष्टा केस सुविधा का सन्तुलन

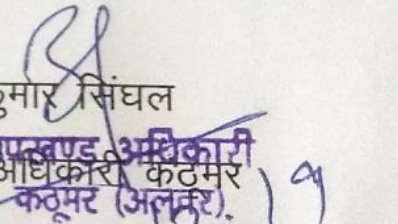

उपस्थित अधिकारी
कठुमर (अलवर)

5.

एवं अपूर्णोपक्ष क्षति तीनों विन्दु सायल के पक्ष में प्रवल है। न्यायहित में दावा के निर्णय तक विवादित आराजी के रेकार्ड को यथावत बनाये रखा जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाकर अप्रार्थीयान को पाबन्द किया जाता हे कि दावे के अंतिम निस्तारण तक आराजी खसरा 1484, 1485, 1596, 1078, 1556, 1599, 1076, 1079, 1599/1999 1460/1856, 1077 वाके ग्राम कठूमर तहसील कठूमर के रेकार्ड की यथास्थिति बनाये रखें। पत्रावली फ़ैसल सुमार होकर नम्बर से कम हो वो वाद तकमील मूल वाद के साथ संलग्न हो।


12.12.19
अनिलकुमार सिंघल
उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी कठूमर
कठूमर (अलमर)

आज दिनांक 12.12.2019 को यह आदेश मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


अनिल कुमार सिंघल
उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी कठूमर
कठूमर (अलमर)
12.12.19